

Pro

Chapter 14

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

תְּהַרְסֶנּוּ:	בִּידְיָהּ	וְאֵלֶּת	בֵּיתָהּ	בְּנֵתָהּ	נָשִׁים	חֲכָמוֹת	1
गिराती-है-उसे	हाथों-से	और-मूर्खता	घर-की	बनाती-है	स्त्रियों-की	बुद्धि	
H2040	H3027	H0200		H1129	H0802	H2454	

बुद्धिमान स्त्री अपना घर बनाती है किन्तु मूर्ख स्त्री अपने ही हाथों से अपना घर उजाड़ देती है।

בּוֹזֵהוּ:	דְּרָכָיו	וּנְלוֹן	יְהוּהָ	יֵרָא	בִּישְׂרוֹ	הוֹלֵךְ	2
तुच्छ-करता-है-उसे	मार्गों-में	और-टेढ़ा	यहोवा-से	डरता-है	सीधाई-में	चलनेवाला	
H0959	H1870	H3868	H3068	H3373	H3476	H1980	

जिसकी राह सीधी—सच्ची हो, आदर के साथ वह यहोवा से डरता है, किन्तु वह जिसकी राह कुटिल है, यहोवा से घृणा करता है।

תְּשִׁמוּרָם:	חֲכָמִים	וּשְׁפָתָיו	נֶאֱמָה	חֲטָר	אֲוִיל	בְּפִי-	3
रक्षा-करते-हैं-उन्हें	बुद्धिमानों-के	और-होठ	घमंड-की	छड़ी	मूर्ख-के	मुँह-में	
H8104	H2450	H8193	H1346	H2415	H0191	H6310	

मूर्ख की बातें उसकी पीठ पर डँडे पड़वाती है। किन्तु बुद्धिमान की वाणी रक्षा करती है।

שׂוֹר:	בְּכַח	תְּבוֹאוֹת	וְרַב-	בָּר-	אֲבוֹס	אֲלָפִים	בְּאֵין	4
बैल-के	बल-से	उपज	और-बहुत	खाली	चरनी	बैलों-के	अभाव-में	
H7794		H8393	H7230	H1249	H0018	H0504	H0369	

जहाँ बैल नहीं होते, खलिहान खाली रहते हैं, बैल के बल पर ही भरपूर फसल होती है।

שֹׁקֵר:	עֵר	כְּזָבִים	וְיָפִיחַ	יִכְזֹב	לֹא	אֲמוּנִים	עֵר	5
झूठा	गवाह	झूठ-को	और-बोलनेवाला	झूठ-बोलेगा	नहीं	विश्वसनीय	गवाह	
H8267	H5707	H3577	H6315	H3576	H3808	H0529	H5707	

एक सच्चा साक्षी कभी नहीं छलता है किन्तु झूठा गवाह, झूठ उगलता रहता है।

נִקְלָ:	לְנִבּוֹן	וְדַעַת	וְאֵין	חֲכָמָה	לֵץ	בְּקֶשׁ-	6
सरल	समझदार-के-लिए	और-ज्ञान	और-नहीं	बुद्धि-को	ठट्ठा	खोजता-है	
H7043	H0995	H1847	H0369	H2451	H3887	H1245	

उच्छृंखल बुद्धि को खोजता रहता है फिर भी नहीं पाता है; किन्तु भले—बुरे का बोध जिसको रहता है, उसके पास ज्ञान सहज में ही आता है।

דַּעַת:	שְׁפָתָיו	וּבִל-	כְּסִיל	לְאִישׁ	מִנְגֵד	לָהּ	7	
ज्ञान-के	होंठ	जानेगा	और-नहीं	मूर्ख	पुरुष-के	सामने-से	जा	
H1847	H8193	H3045	H1077	H3684	H0376	H5048	H3212	

मूर्ख की संगत से दूरी बनाये रख, क्योंकि उसकी वाणी में तू ज्ञान नहीं पायेगा।

מִרְמָה:	כְּסִילִים	וְאֵלֶּת	דְּרָכָיו	הַבֵּין	עָרוֹם	חֲכָמָת	8
धोखा	मूर्खों-की	और-मूर्खता	मार्ग-को	समझना	चतुर-की	बुद्धि	
H4820	H3684	H0200	H1870	H0995	H6175	H2451	

ज्ञानी जनों का ज्ञान इसी में है, कि वे अपनी राहों का चिंतन करें, मूर्खता मूर्ख की छल में बसती है।

רָצוֹן:	יִשְׂרָיִם	וּבֵין	אֲשָׁם	יִלְיָן	אֲוִלִים	9
प्रसन्नता	सीधों-के	और-बीच	अपराध-बलि-पर	ठट्ठा-करते-हैं	मूर्ख	
H7522	H3477	H0996	H0817	H3887	H0191	

पाप के विचारों पर मूर्ख लोग हँसते हैं, किन्तु सज्जनों में सद्भाव बना रहता है।

10 לֵב יֹדַע מָרַת נַפְשׁוֹ וּבְשִׁמְחָתוֹ לֹא יתְעַרֵב זָר:
हृदय जानता-है कड़वाहट प्राण-की और-आनन्द-में नहीं भाग-लेगा अजनबी
H3045 H4787 H5315 H8057 H3808 H6148

हर मन अपनी निजी पीड़ा को जानता है, और उसका दुःख कोई नहीं बाँट पाता है।

11 בֵּית רְשָׁעִים יִשְׁמַד וְאֵהָל יִשְׂרָאֵל יִפְרֹחַ:
घर दुष्टों-का नाश-होगा और-तंबू सीधों-का फूलेगा
H7563 H8045 H0168 H3477

दुष्ट के भवन को ढहा दिया जायेगा, किन्तु सज्जन का डेरा फूलेगा फलेगा।

12 יֵשׁ הַרְגָּה יִשְׂרָאֵל לְפָנָיו אִישׁ וְאַחֲרֵיהָ דַּרְכֵי-מָוֶת:
है मार्ग सीधा सामने पुरुष-के और-अन्त-उसका मार्ग मृत्यु-का
H3426 H1870 H3477 H6440 H0376 H0319 H1870 H4194

ऐसी भी राह होती है जो मनुष्य को उचित जान पड़ती है; किन्तु परिणाम में वह मृत्यु को ले जाती।

13 גַּם-בְּשִׁחוֹק יִכָּאֵב לֵב וְאַחֲרֵיהָ שִׂמְחָה תִּנְהַג:
भी हँसी-में दुखेगा हृदय और-अन्त-उसका आनन्द-का शोक
H1571 H7814 H3510 H8057 H0319 H8424

हँसते हुए भी मन रोता रह सकता है, और आनन्द दुःख में बदल सकता है।

14 מִדַּרְכָּיו יִשְׁבַע סוֹג לֵב וּמַעְלָיו אִישׁ טוֹב:
मार्गों-से तृप्त-होगा पीछे-हटनेवाला हृदय-का पुरुष और-ऊपर-उसके अच्छा
H1870 H7646 H5472 H0376

विश्वासहीन को, अपने कुमार्गों का फल भुगतना पड़ेगा; और सज्जन सुमार्गों का प्रतिफल पायेगा।

15 יִבְּתִי יֵאֱמִין לְכֹל-דְּבַר אֲעֲרוֹם יִבִּין לְאִשְׁרוֹ:
भीला विश्वास-करता-है हर-एक शब्द-पर और-चतुर समझता-है कदम-को
H0539 H3605 H1697 H6175 H0995

सरल जन सब कुछ का विश्वास कर लेता है। किन्तु विवेकी जन सोच—समझकर पैर रखता है।

16 חֲכָם יִרָא וְסָר מִרָע וְכֹסֵל אִישׁ מְחַבֵּב וּבֹטָח:
बुद्धिमान डरता-है और-हटता-है बुराई-से और-मूर्ख क्रोधित-होता-है और-आत्मविश्वासी
H2450 H3373 H5493 H3684 H0982

बुद्धिमान मनुष्य यहोवा से डरता है और पाप से दूर रहता है। किन्तु मूर्ख मनुष्य बिना विचार किये उतावला होता है—वह सावधान नहीं रहता।

17 קָצָר אַפִּים יַעֲשֶׂה אִוְלָת וְאִישׁ מְזֻמָּוֹת יִשְׁנָא:
जल्दी क्रोध-वाला करता-है मूर्खता और-पुरुष दुष्ट-योजनाओं-वाला घृणा-किया-जाएगा
H7116 H0639 H0200 H0376 H4209 H8130

ऐसा मनुष्य जिसे शीघ्र क्रोध आता है, वह मूर्खतापूर्ण काम कर जाता है और वह मनुष्य जो छल—छंदी होता है वह तो घृणा सब ही की पाता है।

18 נִחְלוּ פְתָאִים אִוְלָת וְעֲרוֹמִים יִכְתְּרוּ דַּעַת:
उत्तराधिकारी-होते-हैं भोले मूर्खता-के और-चतुर ज्ञान-का मुकुट-पहनते-हैं
H5157 H0200 H6175 H3803 H1847

सीधे जनों को बस मूर्खता मिल पाती किन्तु बुद्धिमान के सिर ज्ञान का मुकुट होता है।

19 שָׁחוּ רָעִים לְפָנָיו טוֹבִים וְרָשָׁעִים עָל-שַׁעְרֵי צַדִּיק:
झुकते-हैं बुरे सामने भलों-के और-दुष्ट ऊपर धर्मों-के फाटकों-के
H7817 H6440 H7563 H8179 H6662

दुर्जन सज्जनों के सामने सिर झुकायेंगे, और दुष्ट सज्जन के द्वार माथा नवायेंगे।

20 גַּם- לְרַעְהוּ יִשְׁנָא רָשׁ וְאֶהְבִּי עֲשִׂיר רַבִּים:
भी पड़ोसी-से है-जाता-किया-घृणा गरीब और-प्रेमी धनवान-के
H1571 H7453 H8130 H7326 H0157 H6223
बहुत

गरीब को उसके पड़ोसी भी दूर रखते हैं; किन्तु धनी जन के मित्र बहुत होते हैं।

21 בָּזָז לְרַעְהוּ חוֹטֵא וּמְחַנֵּן | עֲנִיִּים | (עֲנִיִּים) אֲשֶׁרִיו:
तुच्छ-करनेवाला पापी-है पड़ोसी-को और-दया-करनेवाला गरीबों-पर गरीबों-पर धन्य-है-वह
H0936 H2398 H7453 H6041 H6035 H0835

जो अपने पड़ोसी को तुच्छ मानता है वह पाप करता है किन्तु जो गरीबों पर दया करता है वह जन धन्य है।

22 הָלוֹא- יִתְעוּ תְרָשִׁי רָע וְחָסֵד יְאֻמָּת תְּרָשִׁי טוֹב:
क्या-नहीं भटकते-हैं गढ़नेवाले बुराई और-दया और-सच्चाई और-लिए गढ़नेवालों-के-भलाई
H3808 H8582 H0571

ऐसे मनुष्य जो षड्यन्त्र रचते हैं क्या भटक नहीं जाते किन्तु जो भली योजनाएँ रचते हैं, वे जन तो प्रेम और विश्वास पाते हैं।

23 בְּכֹל- עֲצָב יְהִי מוֹתָר וְדַבָּר- שְׁפָתַיִם אֶל- לְמַחְסוֹר:
सब परिश्रम-में होगा लाभ और-शब्द और-का होंठों-के-लिए केवल घटी-के-लिए
H3605 H1961 H4195 H1697 H8193 H0389 H4270

परिश्रम के सभी काम लाभ देते हैं, किन्तु कोरी बकवास बस हानि पहुँचाती है।

24 עֲטָרַת עֲשָׂרִים חֲכָמִים מוֹרָתָא וְאֵלֵּיךְ מוֹרָתָא:
मुकुट बुद्धिमानों-का धन-है मूर्खता और-मूर्खता
H5850 H2450 H6239 H0200 H3684 H0200

विवेकी को प्रतिफल में धन मिलता है पर मूर्खों की मूर्खता मूढ़ता देती है।

25 מִצִּיל- נִפְשׁוֹת עֵד אֲמַת וַיִּפֹּחַ קְנָבִים מִרְמָה:
बचानेवाला प्राणों-को गवाह सच्चा और-बोलनेवाला झूठ-को धोखा
H5337 H5315 H5707 H0571 H6315 H3577 H4820

एक सच्चा साक्षी अनेक जीवन बचाता है पर झूठा गवाह, कपट पूर्ण होता है।

26 בִּירְאָתָא מְבִטָח- עֵז מְבִטָח- יְהוָה לְבָנָיו וְיָהוּהָ מְחַסָּה:
भय-में यहोवा-के बल-का भरोसा और-पुत्रों-के-लिए और-पुत्रों-के-लिए शरण
H3374 H3068 H4009 H5797 H1961 H4268

ऐसा मनुष्य जो यहोवा से डरता है, उसके पास एक संरक्षित गढ़ी होती है। और वहीं उसके बच्चों को शरण मिलती है।

27 יְרֵאָתָא יְהוָה מְקוֹר חַיִּים לְסוֹר מִמְקָשִׁי מוֹת:
भय यहोवा-का स्रोत जीवन-का हटने-के-लिए फंदों-से मृत्यु-के
H3374 H3068 H4726 H5493 H4170 H4194

यहोवा का भय जीवन स्रोत होता है, वह व्यक्ति को मौत के फंदे से बचाता है।

28 בְּרַב- עַם הַדְּרֹת- מַלְךְ וּבְאֶפְסָ לֹאִם מְחַתָּת רְזוֹן:
बहुतायत-में प्रजा-की शोभा राजा-की और-अभाव-में लोगों-के विनाश शासक-का
H7230 H1927 H4428 H3816 H4288 H7333

विस्तृत विशाल प्रजा राजा की महीमा हैं, किन्तु प्रजा बिना राजा नष्ट हो जाती है।

29 אֲרָךְ אַפִּים רַב- תְּבוּנָה וּקְצָר- רֹחַ מְרִים אֲנִלָּת:
दीर्घ क्रोध-वाला बहुत समझ और-जल्दी आत्मा-वाला ऊँचा-करता-है मूर्खता-को
H0750 H0639 H8394 H7116 H7307 H0200

धैर्यपूर्ण व्यक्ति बहुत समझ बूझ रखता है, किन्तु ऐसा व्यक्ति जिसे जल्दी से क्रोध आये वह तो अपनी ही मूर्खता दिखाता है।

30
 חַיִּי בְּשָׂרִים לֵב מִרְפָּא וּרְקֹב עֵצְמוֹת קְנֵאָה :
 शरीरों-का हृदय चंगाई और-सड़ाध हड्डियों-का ईर्ष्या
 H1320 H4832 H7538 H6106 H7068

शान्त मन शरीर को जीवन देता है किन्तु ईर्ष्या हड्डियों तक को सड़ा देती है।

31
 עֲשֵׂק גָּרִיב חַרְףּ עֲשָׂהוּ וּמְכַבְּרוֹ חָנּוּן אֲבִיוֹן :
 अत्याचार-करनेवाला गरीब-पर निन्दा-करता-है बनानेवाले-की और-सम्मान-करनेवाला-उसका दरिद्र-पर दया-करता-है
 H1800 H6231 H3513 H0034

जो गरीब को सताती है, वह तो सबके सृजनहार का अपमान करता है। किन्तु वह जो भी कोई गरीब पर दयालु रहता है, वह परमेश्वर का आदर करता है।

32
 בְּרָעְתּוֹ יְדָהָהּ רָשָׁע וְחֹסֶה בְּמוֹתוֹ צַדִּיק :
 बुराई-में धकेला-जाएगा दुष्ट और-शरण-लेनेवाला मृत्यु-में धर्मी
 H7563 H2620 H4194 H6662

जब दुष्ट जन पर विपदा पड़ती है तब वह हार जाते हैं किन्तु धर्मी जन तो मृत्यु में भी विजय हासिल करते हैं।

33
 בְּלֵב גְּבוּן נִבּוֹן תְּנִיחַ חֲכָמָה וּבִקְרֹב כְּסִיּוֹתֵי תוֹרָע :
 हृदय-में समझदार-के विश्राम-करती-है बुद्धि और-बीच-में मूर्खों-के जानी-जाएगी
 H0995 H5117 H2451 H7130 H3684 H3045

बुद्धिमान के मन में बुद्धि का निवास होता है, और मूर्खों के बीच भी वह निज को जानती है।

34
 צַדִּיקָה תְּרוֹמֵם-גּוֹי וְחֹדֵר לְאֻמִּים חַטָּאת :
 धार्मिकता उँचा-करती-है जाति-को और-दया लोगों-के-लिए पाप
 H6666 H3816

नेकी से राष्ट्र का उत्थान होता है; किन्तु पाप हर जाति का कलंक होता है।

35
 רַצוֹן-מַלְךְ לְעַבְדֵּךָ מִשְׁכִּיל וְעִבְרָתוֹ תְּהִיָּה לְעַבְדֵּךָ מִבִּישׁ :
 प्रसन्नता राजा-की दस-के-लिए समझदार और-क्रोध-उसका लज्जाजनक-पर होगा
 H4428 H5650 H5678 H0954 H1961

विवेकी सेवक, राजा की प्रसन्नता है, किन्तु वह सेवक जो मूर्ख होता है वह उसका क्रोध जगाता है।